

प्रेषक,

मनोज चन्दन,

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,

उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून

दिनांक 19 नवम्बर, 2013

विषय:- वन विभाग के अनुदान सं०-27 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2013-14 के राज्य सेक्टर के आयोजनागत राजस्व पक्ष की योजना "रिसर्च एवं टेक्नोलोजी डेवलपमेंट" में वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड के प०सं० नि-379/3-5(रिसर्च टेक्नोलोजी) दिनांक 05 सितम्बर 2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के अनुदान सं०-27 के अन्तर्गत राजस्व पक्ष में "रिसर्च एवं टेक्नोलोजी डेवलपमेंट" योजना में चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में प्राविधानित आय-व्ययक ₹ 66,00,000/- (₹ छियासठ लाख मात्र) के सापेक्ष शासनादेश सं०-3602/X-2-2013-12 (31)/2012 दि० 27 अगस्त, 2013 द्वारा अवमुक्त धनराशि ₹ 33,00,000/- (₹ तैतीस लाख मात्र) के पश्चात् अवशेष कुल धनराशि ₹ 33,00,000/- (₹ तैतीस लाख मात्र) व्यय किये जाने के लिए आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

- (1) उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-284/XXVII(1)/2013 दि० 30 मार्च, 2013 एवं शासनादेश सं० 413/XXVII(1)/2013 दि० 10 जून, 2013 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथास्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय। शासन द्वारा वांछित सूचनाएँ एवं विवरण/मासिक प्रगति विवरण निर्धारित प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा वन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आंगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण एवं तदोपरान्त वित्तीय/प्रशासनिक और तकनीकी/प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर ही आहरण एवं व्यय किया जायेगा।
- (2) बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व वन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय। धनराशि का आहरण एवं व्यय अनुमोदित परिव्यय के सीमान्तर्गत ही किया जायेगा। साथ ही पूर्व अवमुक्त धनराशियों के सापेक्ष वित्तीय/भौतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया जायेगा इसके अतिरिक्त योजना की प्रगति तथा उद्देश्यों की पूर्ति संतोषजनक होने पर ही धनराशि आहरित एवं व्यय की जायेगी।
- (3) यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निर्वर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निर्वर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
- (4) आहरण वितरण अधिकारियों तथा कक्षाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण निर्धारित बी०एम०-प्रपत्र पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा।
- (5) अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय को फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-फ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- (6) यह भी सुनिश्चित किया जाये कि मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के लिये भुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या सम्बन्धित ईकाई में समकक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।

- (7) मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं०-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (8) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय।
- (9) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- (10) निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का आवंटन पत्र कम्प्यूटर के माध्यम से जनरेट किया गया है एवं इसका Allotment Id S1311270150 है। आप भी अपने स्तर से अधिनस्थ आहरण वितरण अधिकारियों को कम्प्यूटर के माध्यम से online बजट आवंटन करना सुनिश्चित करेंगे।
- (11) निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृतियों से कराये जाने वाले कार्यों की सूचना यथावश्यकतानुसार सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं जन सेवा विभाग उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1638/XXX-1-12(25)2011, दिनांक 8 दिसम्बर, 2011 द्वारा अपेक्षित राज्य सरकार की वेबसाइट www.ua.nic.in तथा विभाग की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से प्रकाशित की जायेगी और उन्हें समय-समय पर अध्यावधिक किया जायेगा।
- (12) आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किशतों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
- (13) निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति में अवचनबद्ध मदों के सम्बन्ध में मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय और यह सुनिश्चित किया जाये कि वर्ष के प्रारम्भ में ही प्रत्येक मद के सम्बन्ध में मितव्ययता हेतु स्पष्ट योजना बना ली जाय और तदनुसार प्रत्येक मद के सम्बन्ध में प्राविधानित आवंटित धनराशि के सापेक्ष बचत का लक्ष्य पूर्व में ही निर्धारित कर बचत सुनिश्चित की जायेगी।

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के स्वीकृत आय-व्यय के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 800-अन्य व्यय 12-00 रिसर्च एवं टेक्नोलोजी डेवलपमेंट योजना हेतु निम्नलिखित सूची में अंकित विवरणानुसार संगत मदों के नामे डाला जायेगा। इस प्रयोजन हेतु Online Budget Allotment की हार्ड कॉपी भी संलग्न की जा रही है:-

(धनराशि ₹ हजार में)

क्र० सं०	योजना का नाम / लेखा शीर्षक / मानक मद	पूर्व निर्गत वित्तीय स्वीकृति	वर्तमान वित्तीय स्वीकृति
1	2	3	4
	2406-- वानिकी तथा वन्य जीवन		
	01-- वानिकी		
	800-- अन्य व्यय		
	12-00-- रिसर्च एवं टेक्नोलोजी डेवलपमेंट		
	08-कार्यालय व्यय	150	150
	09-विद्युत देय	125	125
	10- जलकर/जल प्रभार	25	25
	11-लेखन सामग्री एवं फार्मों की छपाई	50	50
	12- कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	50	50
	13- टेलीफोन पर व्यय	50	50
	15- गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद	250	250
	16- व्यवसायिक सेवा तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	50	50
	18- प्रकाशन	75	75
	25- लघु निर्माण	1000	1000
	26- मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	250	250
	29- अनुरक्षण	750	750
	42- अन्य व्यय	250	250
	46- कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	100	100
	47- कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	125	125
	योग	3300	3300

(वर्तमान वित्तीय स्वीकृति ₹ तैंतीस लाख मात्र)

क्रमशः.....3

3- यह आदेश वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-284/XXVII(1)/2013 दि० 30 मार्च, 2013 एवं शासनादेश संख्या 413/XXVII(1)/2013 दि० 10 जून, 2013 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-चघोपरि।

भवदीय,

(मनोज चन्दन)

अपर सचिव

संख्या-429 (1)/X-2-2013, तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवार्थ, देहरादून।
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

(मनोज चन्दन)

अपर सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20132014

Secretary, Forest (S016)

आवंटन पत्र संख्या - 4299(A) /X-2-2013-12(31)/2012

अनुदान संख्या - 027

अलोटमेंट आई डी - S1311270150

आवंटन पत्र दिनांक - 14-Nov-2013

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

1: लेखा शीर्षक 2406 - वानिकी तथा वन्य जीवन 01 - वानिकी
800 - अन्य व्यय 12 - रिसर्च एवं टेक्नोलोजी डेवलपमेंट(राज्य सेक्टर)
00 - रिसर्च एवं टेक्नोलोजी डेवलपमेंट(राज्य सेक्टर)

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
08 - कार्यालय व्यय	150000	150000	300000
09 - विद्युत बिल	125000	125000	250000
10 - जलकर / जल प्रसार	25000	25000	50000
11 - लेखन सामग्री और फार्मों की ख	50000	50000	100000
12 - कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	50000	50000	100000
13 - टेलीफोन पर व्यय	50000	50000	100000
15 - गात्रियों का अनुरक्षण और पेट	250000	250000	500000
16 - व्यावसायिक तथा विशेष सेवा	50000	50000	100000
18 - प्रकाशन	75000	75000	150000
25 - षष्ठ निर्माण कार्य	1000000	1000000	2000000
26 - मशीनें और सज्जा /उपकरण औ	250000	250000	500000
29 - अनुरक्षण	750000	750000	1500000
42 - अन्य व्यय	250000	250000	500000
46 - कंप्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर	100000	100000	200000
47 - कंप्यूटर अनुरक्षण/तलाशबन्धी	125000	125000	250000
	3300000	3300000	6600000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

3300000